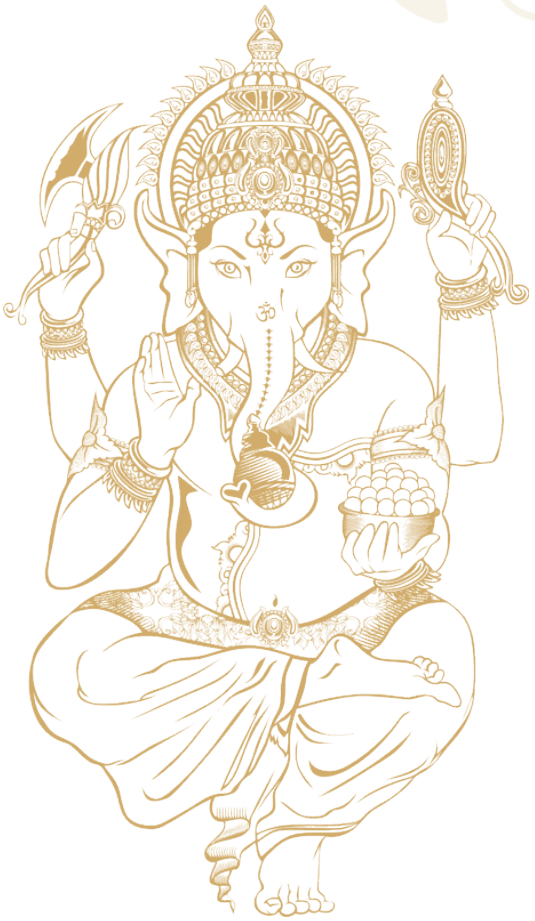

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120949802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-31/03/1999	जन्म तिथि	22-23/06/1999
मंगल-बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 01:30:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 48:00:18	जन्म समय(घटी)	50:19:12 घटी
India	देश	India
Nawashahr	स्थान	Nawashahr
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:52	सूर्योदय	05:22:19
18:42:44	सूर्यास्त	19:32:10
23:50:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 0मा 30दि	14:22:12	धनु	लग्न	मेष	00:22:50	मंगल 3वर्ष 2मा 24दि
राहु	15:49:33	मीन	सूर्य	मिथु	07:06:54	गुरु
30/04/2019	03:08:59	कन्या	चंद्र	तुला	00:30:18	16/09/2020
29/04/2037	17:24:57	तुला व	मंगल	तुला	02:43:42	16/09/2036
राहु 10/01/2022	27:20:16	कुंभ व	बुध	कर्क	01:40:38	गुरु 04/11/2022
गुरु 05/06/2024	16:53:12	मीन	गुरु	मेष	05:14:23	शनि 17/05/2025
शनि 11/04/2027	21:05:19	मेष	शुक्र	कर्क	21:57:24	बुध 23/08/2027
बुध 29/10/2029	09:26:31	मेष	शनि	मेष	19:35:27	केतु 29/07/2028
केतु 16/11/2030	27:25:25	कर्क व	राहु व	कर्क	20:04:41	शुक्र 30/03/2031
शुक्र 16/11/2033	27:25:25	मक व	केतु व	मक	20:04:41	सूर्य 16/01/2032
सूर्य 11/10/2034	21:52:06	मक	हर्ष व	मक	22:33:02	चन्द्र 17/05/2033
चन्द्र 11/04/2036	10:09:02	मक	नेप व	मक	09:58:34	मंगल 23/04/2034
मंगल 29/04/2037	16:34:22	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:41:01	राहु 16/09/2036

लग्न-चलित

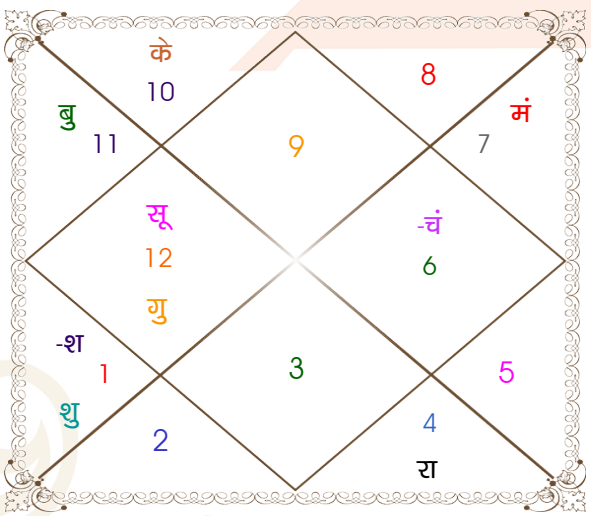

लग्न-चलित

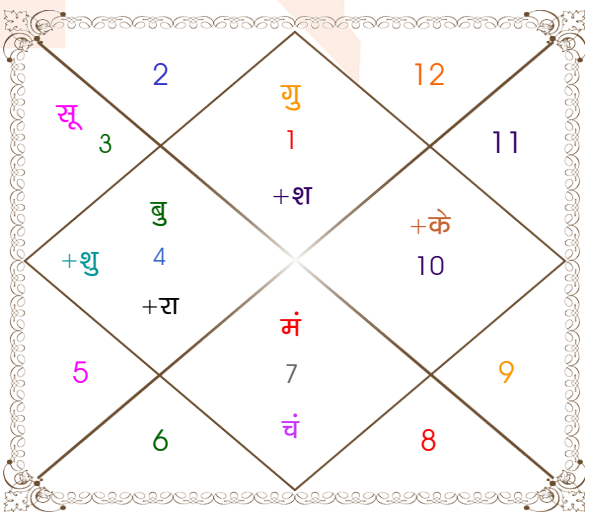

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	व्याघ्र	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

M का वर्ग श्वान है तथा F का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

F मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र F कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि F कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल M कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।